

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 11--जण्ड 3---उपलण्ड (1)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 299]

मई विस्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 9, 1976/भाष्र 18, 1898

No. 299] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 9, 1976/BHADRA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रातग संकलन के रूप में रखा जा सके।

separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

ORDER

New Delhi, the 8th September 1976

G.S.R. 794(E).—In exercise of the powers conferred by the first provise to sub-section (1) of section 10 of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971), the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General, hereby relieves the Comptroller and Auditor-General from the responsibility for compiling the accounts of:—

- (a) the Ministry of Finance, except those relating to
 - (i) pensions, and
 - (ii) the Indian Audit and Accounts Department;
- (b) the Ministry of Home Affairs, except those relating to
 - (i) such of the Union Territories whose accounts are, on the date of the issue of this Order, being compiled by the Comptroller and Auditor-General; and
 - (ii) pensions to freedom fighters and pensions in lieu of resumed Lagirs. Lands etc.; and

- (c) the Department of Revenue and Banking except those relating to taxes, duties and other receipts and deposite realised under any law for the time being in force and administered by the Department of Revenue and Banking including the Central Board of Direct Taxes and the Central Board of Excise and Customs.
- 2. This Order shall come into force on the 1st day of October, 1976.

By order and in the name of the President [No. F. 1(15)-R/(A/cs)/76] K. N. ROW, Jt. Secy.

वित्त संत्रालय (ग्राधिक कार्य विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8सितम्बर, 1976

सां का नि 794(द्ध).—नियंत्रक ग्रीर महालेखापरीक्षक के (कर्ताव्य, क्षित्यां ग्रीर सेवा की गर्ते) ग्रीधिनियम 1971 (1971 का 56) की धारा 10 की उपधारा (1) के प्रयम परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, नियंत्रक ग्रीर महालेखापरीक्षक से परामगं करने के बाद इस भादेश के द्वारा नियंत्रक ग्रीर महालेखापरीक्षक को निम्निलिखित के संबंध में लेखे रखने के उत्तरवायित्व से मुक्त करते हैं:—-

- (क) विस मंत्रालय
 - (i) पेंशनीं; भीर
 - (ii) भारतीय लेखा भीर लेखा परीक्षा विभाग से संबंधित लेखों को छोड़ कर ;
- (ख) गृह मंत्रालय
 - (i) ऐसे संघ राज्य क्षेत्रों, जिनके लेखे इस ब्रादेश के जारी होने के दिनांक को नियंत्रक श्रीर महालेखापरीक्षक द्वारा रखे जा रहे हों; श्रीर
 - (ii) स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशनों और पुनः प्राप्त जागीरों, जमीनों भावि के एवज में वी जाने वाली गेंशनों से संबंधित लेखों को छोड़ कर; भीर
- (ग) राजस्व भीर बैंकिंग विभाग

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद जुल्क व सीमा गुल्क बोर्ड झीर राजस्व तथा वैकिंग विभाग द्वारा प्रशासित सौर इस समय लागू किसी भी विधि के सन्तर्गत वसूल किए गए करों, गुल्कों झीर सन्य प्राप्तियों तथा निर्मुपों को छोड़कर ।

2. यह बादेश पहली श्रम्टूबर 1976 से लागू हौगा।

राष्ट्रपति के बादेश द्वारा छौर उनके नाम से

[सं० एफ 1 (15) -बी/(ए०/सी०एस०)/76] के० एन० राव, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृत्रणालय, मिन्टो रोड, नई विश्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, विल्ली द्वारा प्रकास्त्रित 1976